भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 3708
दिनांक 21 दिसम्बर, 2021 के लिए प्रश्न

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस

3708. श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री सुब्रत पाठक:
श्री प्रतापराव जाधव:
श्री रविन्दर कुशवाहा:
श्री रवि किशन:
श्री मनोज तिवारी:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्या सरकार ने हाल ही में देश में राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाने के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;
(ग) क्या सरकार डेयरी किसानों की दयनीय स्थिति से अवगत है और इस बात से भी अवगत है कि बहुत से डेयरी किसान इस व्यवसाय को छोड़ रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
(घ) क्या सरकार का डेयरी उद्योग में किसानों को कोई वित्तीय सहायता प्रदान करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या मवेशियों की घटिया नस्लें, असंगठित डेयरी क्षेत्र, निवेश की कमी और वर्तमान तकनीक के प्रति किसानों की अनभिज्ञाता आदि कुछ ऐसी कठिनाइयां हैं जिसका सामना इस क्षेत्र में काम करने वाले किसानों को करना पड़ता है/पड़ रहा है; और
(च) डेयरी क्षेत्र में निवेश बढ़ाने और इसे वित्तीय रूप से आकर्षक और लाभकारी बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) और (ख) जी हां। पशुपालन और डेयरी विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) तथा डॉ. वर्गीज़ कुरियन द्वारा बनाए गए अन्य संस्थानों के साथ संयुक्त रूप से दिनांक 26 नवम्बर, 2021 को उनकी जयंती के अवसर पर एनडीडीबी परिसर, आणंद में राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस, वर्ष 2014 से हर वर्ष डॉ. वर्गीज़ कुरियन द्वारा भारतीय डेयरी सेक्टर में किए गए योगदान को याद करने के लिए उनकी जयंती अर्थात 28 नवंबर को मनाया जाता है।

इस आयोजन के दौरान विभाग ने धामरोड़, गुजरात तथा हैसरघट्टा, कर्नाटक में आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) प्रयोगशाला का उद्घाटन किया और इसके अलावा तीन श्रेणियों में राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार भी प्रदान किए। ये तीन श्रेणियां है:- देश में i) देसी गोपशुओं/ भैंसों को पालने वाले सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान, ii) सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन तथा iii) सर्वश्रेष्ठ डेयरी सहकारी सोसायटी (डीसीएस)/ दुग्ध उत्पादक कंपनी/ डेयरी किसान उत्पादक संगठन।

(ग) दुधारू पशुओं का पालन और कृषि वस्तुत: एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। भारत में अधिकांश दूध का उत्पादन छोटे और सीमांत किसानों द्वारा पारिवारिक स्तर पर 2-5 दुधारू पशुओं को पाल कर किया जाता है। डेयरी असंख्य ग्रामीण परिवारों के लिए आजीविका का महत्वपूर्ण सहायक स्रोत है और इसने विशेष रूप से महिलाओं और सीमांत किसानों को स्वरोजगार देने तथा आय सृजित करने के अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका ग्रहण की है।

(घ) से (च) पशुपालन और डेयरी विभाग डेयरी किसानों, डेयरी विकास, नस्ल सुधार/ उत्पादकता संवर्धन और देश में डेयरी सेक्टर में निवेश बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु निम्नलिखित योजनाएं कार्यान्वित कर रहा है:

i. **किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) का प्रावधान:** वर्ष 2019 के दौरान भारतीय रिज़र्व बैंक ने पशुपालन और मात्स्यिकी किसानों की कार्यशील पूंजीगत आवश्यकताओं को पूरा करने में उनकी सहायता करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) सुविधा का विस्तार किया है। 03.12.2021 तक बैंकों द्वारा पशुपालन व डेयरी किसानों को 14 लाख से अधिक नये केसीसी संस्वीकृत किए गए हैं।

ii. **राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी):-** फरवरी, 2014 में प्रारंभ किया गया और जुलाई 2021 में 2 घटकों के साथ पुनर्गठित/ पुनर्संरेखित किया गया। योजना का घटक 'क' केंद्र तथा राज्य के बीच 60:40 आधार पर अनुदान सहायता प्रदान करता है तथा गुणवत्तापूर्ण दूध परीक्षण उपकरण के साथ-साथ प्राथमिक प्रशीतन प्रसुविधाओं और ग्राम स्तरीय दूध खरीद प्रणाली के सृजन हेतु अवसंरचना के सृजन/ सुदृढ़ीकरण पर ध्यान केंद्रीय करता है। घटक 'ख' दूध प्रसंस्करण और विपणन अवसंरचना के सृजन के लिए जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जीका) से ऋण के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करता है। एनपीडीडी के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान बजटीय आबंटन 255.00 करोड़ रु. है।

iii. **डेयरी प्रसंस्करण और अवसंरचना विकास निधि (डीआईडीएफ):-** दिसंबर, 2017 में प्रारंभ हुई। इसका उद्देश्य 2.5 प्रतिशत ब्याज सहायता (11.09.2020 से प्रभावी) के साथ ऋण के रूप में दूध प्रसंस्करण, प्रशीतन तथा मूल्य संवर्धन अवसंरचना का सृजन/ आधुनिकीकरण करना है। इस योजना का परिव्यय 11,184 करोड़ रु. है, जिसमें 8004 करोड़ रु. ब्याज सहायता के साथ-साथ ऋण के रूप में शामिल है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए ब्याज सबवेंशन हेतु बजटीय आवंटन 70 करोड़ रु हैं।

iv. **डेयरी कार्यकलापों में लगी डेयरी सहकारी समितियों तथा किसान उत्पादक संगठनों को सहायता (एसडीसीएफपीओ):-** वर्ष 2017-18 के दौरान प्रारंभ। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड एनडीडीबी के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य गंभीर रूप से प्रतिकूल बाजार परिस्थितियों या प्राकृतिक आपदाओं के कारण संकट से निपटने के लिए सुलभ कार्यशील पूंजीगत ऋण प्रदान करके डेयरी कार्यकलापों में लगी सहकारी समितियों और किसान उत्पादक संगठनों की सहायता करना है। डेयरी सेक्टर पर कोविड-19 के आर्थिक प्रभाव के कारण वर्ष 2020-21 तथा 2021-22 के लिए 203 करोड़ रु. के परिव्यय से एक नया घटक ''डेयरी सेक्टर हेतु कार्यशील पूंजीगत ऋण पर ब्याज सहायता'' प्रारंभ किया गया था। यह योजना 500 करोड़ रु. के परिव्यय से वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक ''अवसंरचना विकास निधि'' संबंधी एकछत्र योजना के भाग के रूप में जारी रखा जाएगा। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान 100 करोड़ रु. की राशि आबंटित की गई है।

v. **राष्ट्रीय गोकुल मिशन:-** दिसंबर, 2014 में प्रारंभ। इनका उद्देश्य देशी बोवाईन नस्लों का विकास और संरक्षण, बोवाईन आबादी का आनुवंशिक उन्नयन और दूध उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि तथा आईवीएफ और सैक्स सॉर्टिड वीर्य प्रौद्योगिकी सहित किसानों का प्रौद्योगिकी तक पहुँच प्रदान करना है।

vi. **पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (एएचआईडीएफ):-** आत्म निर्भर भारत अभियान (एएनबी) प्रोत्साहन पैकेज के अंतर्गत माननीय प्रधानमंत्री ने 15000 करोड़ रु. की पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (एएचआईडीएफ) की स्थापना की घोषणा की है। एएचआईडीएफ में डेयरी प्रसंस्करण तथा मूल्य

संवर्धन अवसंरचना और अन्य मांस प्रसंस्करण के अलावा पशु/ गोपशु आहार संयंत्र स्थापित करने के लिए व्यक्तिगत उद्यमियों, निजी कंपनियों एमएसएमई किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) तथा धारा 8 कंपनियों द्वारा निवेश के लिए ऋण पर 3 प्रतिशत तक ब्याज सबवेंशन के रूप में प्रोत्साहन देने की परिकल्पना की गई है। डीएएचडी ने एएचआईडीएफ के अंतर्गत नस्ल वृद्धि तथा नस्ल सुधार प्रौद्योगिकी की श्रेणी को शामिल किया है जो डेयरी प्रसंस्करण तथा नस्ल वृद्धि और नस्ल सुधार प्रौद्योगिकियों में प्रौद्योगिकी हस्तक्षेत्र संबंधी सहायता करेगी।

*****